



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 370]  
No. 370]नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 17, 2008/आश्विन 25, 1930  
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 17, 2008/ASVINA 25, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग भवालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाठनरोधी एवं संबद्ध शुल्क प्राधिकारालय)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 2008

विषय : चीन जन्. गण. के मूल के अवधा बहां से आवातित सिरेमिक टाइलों के संबंध में पाठनरोधी जांच की शुरूआत।

सं. 14/16/2008-झीजीएडी,—मै. एच. एंड आर. जॉनसन (इण्डिया) लिमिटेड तथा मैसर्स कजारिया सिरेमिक्स लि. ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 सीमाशुल्क टैरिफ (पाठित वस्तुओं की फहारान, उन पर पाठनरोधी शुल्क का आकलन, संग्रहण एवं क्षति निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) के अनुसरण में चीन जन्. गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अवधा बहां से नियातित सिरेमिक टाइलों (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन के संबंध में पाठनरोधी जांच शुरूआत हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

2. और, यह: प्राधिकारी ने यह देखा है कि सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटन व क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रथमदृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य पौजूद है, अतः, प्राधिकारी कथित पाटन के अस्तित्व, सीमा तथा प्रशाव का निर्धारण करने और पाठनरोधी शुल्क की यह राशि संस्तुत करने, जिसे लगाए जाने पर वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसरण में कथित पाटन एवं परिणामतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति की एतद्वाया जांच शुरू करते हैं।

## घरेलू उद्योग

3. घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स एपीजे-एसएलजी द्वेष लॉ नई दिल्ली के पाल्यम से मैसर्स एच एंड आर. जॉनसन (इण्डिया) लि. और मै. कजारिया सिरेमिक्स लि. द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार आवेदक को पाठनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) तथा नियम 5(3)(क) के अनुसार घरेलू उद्योग के पक्ष से पाठनरोधी जांच हेतु मापदण्ड प्रस्तुत करने का अधिकार है।

## विचाराधीन उत्पाद

4. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद विट्रीफाइड टाइलों से इतर सिरेमिक ग्लेन्ड टाइल्स हैं, जिसकी कम से कम एक साइज (लम्बाई अथवा चौडाई) 17. इंच/431.80 मिलीमीटर (मिमी.)/43.18 सेंटीमीटर (सेमी.)/1.4167 फुट से अधिक हो। इन वस्तुओं को इमारतों को दीवारों तथा फर्श के आच्छादन के रूप के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 6908 9090 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

## समान वस्तु

5. आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तुएं, जिनका भारत में पाटन किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा आवादित वस्तुओं के समान हैं। पाठित अवधारों और घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के तकनीकी

विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्यों अथवा अंतिम उपयोग में कोई फिनता नहीं है। दोनों तकनीकी तथा याणिज्ञिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय हैं अतः उन्हें पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत 'समान वर्तु समझा जाना चाहिए। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को 'संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के रूप में' घरेलू समान-वर्तु समझा जा रहा है।

### शामिल देश

6. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन गण है।

### सामान्य मूल्य

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने चीन जन गण, हेतु सामान्य मूल्य को निर्धारित करने के लिए इटली को बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश मानने का प्रस्ताव किया है। आवेदक को इटली से सामान्य मूल्य के बारे में सूचना प्राप्त नहीं हो सकी, अतः आवेदक ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार घरेलू उत्पादकों की उत्पादन लागत के आधार पर चीन जन गण, हेतु सामान्य मूल्य संरचित किया है। प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए संरचित मूल्यों के आधार पर संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य पर प्रथम दृष्ट्या विचार किया है और प्राधिकारी द्वारा जांच शुरूआत के प्रयोजनार्थ इसी पर विचार किया गया है।

### निर्यात कीमत

8. निर्यात कीमतों का दावा हमेकर स्टेटिस्टिक्स सर्विसेज, मुम्बई से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर किया गया है। निवल निर्यात कीमत करने के लिए रामुद्धी मालमाले, समुद्धी बीमा, पत्तन प्रहस्तन तथा पत्तन प्रभार, बिक्री कमीशन आदि के संबंध में किए गए कीमत समायोजनों का दावा किया गया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं हेतु आवेदक द्वारा निर्यात कीमतों एवं समायोजनों के बारे में किए गए दावे के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं।

### पाटन मार्जिन

9. इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमतों से बहुत अधिक हैं, जिनसे प्रथमदृष्ट्या यह इंगित होता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

### क्षति एवं कारणात्मक संबंध

10. आवेदकों ने पाटित आयातों की बढ़ी हुई मात्रा, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास, कीमत अवमूल्यन के रूप में कथित पाटन के परिणामस्वरूप हुई क्षति के संबंध में साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। संबद्ध देश से पाटित आयातों द्वारा आवेदकों को हो रही वारस्तिक क्षति के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं।

### जांच की अवधि

11. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पी ओ आई) 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च 2008 (12 महीने) तक की है। तथापि क्षति जांच अवधि में अप्रैल 2004-मार्च, 05, अप्रैल 2005- मार्च, 2006, अप्रैल 2006-मार्च 2007 तथा जांच की अवधि शामिल होंगी।

### सूचना प्रस्तुत करना

12. संबद्ध ज्ञात नियातकों एवं आयातकों एवं घरेलू उद्योग को सभी संगत सूचना निर्धारित ढंग एवं घट्टति में प्रस्तुत करने के लिए अलग से सूचित किया जा रहा है। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी वर्तमान जांच में माग लेने के लिए निम्नलिखित को लिख सकती है:

निर्दिष्ट प्राधिकारी  
(पाटनरोधी एवं संबद्ध सुल्क महानिदेशालय)  
मास्त सरकार  
बाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
बाणिज्य विभाग  
उद्योग मंत्र, नई दिल्ली- 110011

### समय सीमा

13. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जानी चाहिए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त हुई सूचना अधूरी है तो प्राधिकारी उपर्युक्त नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

### सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

14. नियम 8(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

15. सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7(1) के अनुसार प्रस्तुत गोपनीय सूचना के साथ नियम 7(2) के संदर्भ में उसका एक गोपनीय तथा अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करेंगे।

16. यदि कोई हितबद्ध पार्टी सूचना जुटाने से इंकार करती है, अथवा अन्यथा उचित अवधि के भीतर अन्यथा आवश्यक सूचना प्रस्तुत नहीं करती है अथवा जांच में काफी बाधा डालती है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

आर. ग्रेसलन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 17th October, 2008

Subject : Initiation of Anti-dumping Investigations on imports of Ceramic Tiles originating in or exported from China PR.

No. 14/16/2008-DGAD.— M/s H & R Johnson (India) Ltd. & M/s Kajaria Ceramics Ltd. have filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules,

1995(herein after referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Ceramic Tiles (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).

2. AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient *prima facie* evidence of dumping of subject goods by the subject country, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

#### Domestic Industry

3. Application has been filed by M/s H & R Johnson (India) Ltd. & M/s Kajaria Ceramics Ltd. through M/s APJ-SLG Trade Law, New Delhi on behalf of the domestic industry. As per the evidence available applicants have the standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

#### Product under consideration

4. The product under consideration for the investigation is Ceramic Glazed tiles other than vitrified tiles where at least one of the sides (length or width) exceeds 17 inches/431.80 Millimeters (MM)/43.18 Centimeters (CM)/1.4167 feet. These goods are used as covering for walls and floors in the buildings. The product is classified under Custom Tariff heading 6908 9090.

#### Like Article

5. The applicant has claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the Anti-dumping Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicant in India are being treated as 'Domestic Like Article' to the subject goods being imported from the subject country.

#### Country(s) involved

6. The country involved in the present investigation is China PR

### Normal Value

7. The Authority notes that the applicant has proposed that Italy be treated as market economy third country for determining normal value for China PR. The applicant could not get the information of normal value from Italy, therefore, the applicant has constructed the normal value for China PR on the basis of cost of production of the domestic producers in terms of provisions of para 7 of Annexure-1 of Anti-dumping Rules. The Authority has *prima-facie* considered the normal value of subject goods in subject country on the basis of constructed values as made available by the applicants and it has been considered by the Authority for the purpose of initiation.

### Export Price

8. The export prices have been claimed on the basis of data obtained from Impex Statistics Services, Mumbai. Price adjustments have been claimed on account of Ocean freight, marine insurance, port handling and port charges, sales commissions etc. to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of export prices claimed by the applicants for the subject goods from the subject country.

### Dumping Margin

9. There is sufficient evidence that the normal values of the subject goods in the subject country are significantly higher than the net export prices indicating *prima-facie* that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject country.

### Injury and Causal Link

10. The applicants have furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of increased volume of dumped imports, price undercutting, price underselling, price depression, price suppression and deterioration of performance of the domestic industry. There is sufficient *prima-facie* evidence of the material injury being suffered by the applicants caused by dumped imports from the subject country.

### Period of Investigation

11. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1<sup>st</sup> April 2007 to 31<sup>st</sup> March 2008 (12 months). The injury investigation period will however cover the periods April,2004-March,05, April,2005-March,2006, April,2006-March,2007 and the POI.

**Submission of information**

12. The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

**The Designated Authority**

**(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)**

**Government of India**

**Ministry of Commerce & Industry**

**Department of Commerce**

**Udyog Bhavan, New Delhi-110011.**

**Time limit**

13. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

**INSPECTION OF PUBLIC FILE**

14. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

15. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

16. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

R. GOPALAN, Designated Authority